आईआईएम रांची ने आदिवासी उद्यमिता सम्मेलन – 2025 की मेजबानी की

आईआईएम में अवसर और चुनौतियों पर चर्चा

रांची, विशेष संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची में आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से- जनजातीय उद्यमिता सम्मेलन-2025 का आयोजन मंगलवार को किया गया। इसमें स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आदिवासी उद्यमी शामिल हुए। सम्मेलन में आदिवासी उद्यमिता की मौजूदा स्थिति, अवसर और चुनौतियों पर चर्चा हुई। साथ ही, उद्यमियों को उद्योग जगत की स्थिति, सरकारी प्रावधान, गैर-सरकारी संगठनों के साथ जुड़कर अवसरों की जानकारी दी गई।

सम्मेलन में उपभोक्ता निवेश के जानकार सह सिंगुलैरिटी के पार्टनर अवनीश आनंद और ग्राम मूलिगई कंपनी लिमिटेड के निदेशक उत्कर्ष घाते बतौर अतिथि शामिल हुए। उद्घाटन सत्र में आईआईएम रांची की डीन अकादमिक प्रो तनुश्री दत्ता ने सम्मेलन के उद्देश्य पर बात की। कहा कि संस्थान अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के साथ लगातार सामाजिक दायित्व और शिक्षा का समाज पर प्रभाव को प्रासंगिक बनाने में जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि आदिवासी उद्यमिता- पारंपरिक व्यवस्था में नवाचार के साथ किये गये बदलाव से संभव है। उद्यम को स्थापित करने के लिए नीतिगत सहयोग के साथ समुदाय आधारित समस्या समाधान की रणनीति सहयोगी सिद्ध होगी।

अनुभव-सुझाव साझा किए

वक्ता अनवीश आनंद व उत्कर्ष घाते ने उपभोक्ता निवेश, सामाजिक उद्यमिता एवं सहयोग और आदिवासी समाज के पारंपरिक रोजगार व्यवस्था को आजीविका के सतत मॉडल के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया साझा की। साथ ही, सामूहिक प्रयास से तैयार किए गए उत्पाद को बाजार तक पहुंचाने, आपूर्ति और मांग की श्रृंखला पर नजर रखने, लगातार नवाचार से दीर्घकालिक व्यावसायिक व्यवस्था को बनाए रखने पर अपने सुझाव व अनुभव साझा किए। सम्मेलन में आदिवासी उद्यमिता पर परिचर्चा सत्र का भी आयोजित हुआ।

Hindustan_19.03.2025_P. 7

आदिवासी उद्यमिता की मौजूदा स्थिति पर चर्चा

रांची : आइआइएम रांची समाज को स्वावलंबी बनाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इस कड़ी में आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ट्राइबल इंटरप्रेन्योर कान्क्लेव 2025 का आयोजन हुआ। कान्क्लेव में स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आदिवासी उद्यमी शामिल हुए। जहां एक मंच पर आदिवासी उद्यमिता की मौजूदा स्थिति, अवसर एवं चुनौतियों पर चर्चा हुई। साथ ही उद्यमियों को उद्योग जगत की स्थिति, सरकारी प्रविधान, गैर-सरकारी संगठनों के साथ जुड़कर अवसरों की जानकारी दी गई। (जासं)

Dainik Jagran_19.03.2025_P. 4